उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग
परीक्षा पाठ्यक्रम

डाउनलोड उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम

वैकल्पिक विषय : भूगोल (Geography)

Downloaded from: www.studymarathon.com

प्रश्नपत्र - I (Paper - I)

खण्ड- अ (Section - A): भौतिक भूगोल (Physical Geography)

1. भू- आकरिकी: पृथ्वी की उत्पत्ति एवं संरचना, भूसंचलन, प्लेट विवर्तन तथा पर्वत निर्माण, भूसंतुलन, ज्वालामुखी क्रिया, अपक्षय एवं अपरदन, अपरदन चक्र, स्थलाकृतियों का क्रम- विकास-नदीय, हिमानी, पवन, सागरी तथा कास्ट, पुनरूत्थान एवं बहुचक्रीय भू- आकृतियाँ।

2. जलवायु विज्ञान: वायुमण्डल का संघटन एवं सरंचना, सूर्याभिताप एवं उष्मा बजट, वायुमण्डलीय दाब एवं पवन, आर्द्रता एवं वृष्टि, वायु राशिया ँ एवं वाताग्र, चक्रवात- उत्पत्ति, परिसंचरण एवं सम्बन्धित मौसम, विश्व जलवायु का वर्गीकरण- कोपेन तथा थार्न्थवेट।

3. समुद्र विज्ञान: समुद्रतल का उच्चावच स्वरूप, लवणता, समुद्री धाराएं एवं ज्वार-भाटा, समुद्री निक्षेप एवं प्रवाल भित्तयाँ।

4. मिट्टी एवं वनस्पति: उत्पत्ति, वर्गीकरण एवं विश्व- वितरण, मिट्टी एवं वनस्पति की सह-जीविता, जैव समुदाय एवं अनुक्रम।

5. पारिस्थितिकी तन्त्र: पारिस्थितिकी की संकल्पना, पारिस्थितिकी तन्त्र की संरचना एवं कार्यप्रणाली, पारिस्थितिकी तन्त्र के प्रकार, प्रमुख जीवोम, पारिस्थितिक तन्त्रों पर मानव का प्रभाव तथा वैश्विक पारिस्थितिकीय मुद्दे।

खण्ड - ब (Section - B): मानव भूगोल (Human Geography)

6. भौगोलिक चिन्तन का क्रम- विकास: भारतीय, जर्मन, फ्रांसीसी, ब्रिटिश तथा रूसी भूगोल वेत्ताओं के योगदान, मानव- भूगोल के परंपरागत चिंतन फलक- निश्चयवाद, सम्भववाद, प्रदेशवाद; सम- सामायिक चिंतन फलकः प्रत्यक्षवाद, सांख्यिकीय क्रान्ति; भूगोल में मॉडल एवं तंत्र; भौगोलिक चिन्तन में अभिनव प्रवृत्तियां (आचारपरक, क्रान्तिकारी, मानवतावाद, उत्तरआधुनिकवाद एवं पारिस्थितिकी चिन्तन फलक के विशेष सन्दर्भ में)।

7. मानव भूगोल: प्रमुख प्राकृतिक प्रदेशों में मानव निवास्य, मानव का अभ्युदय एवं मानव प्रजातियां, सांस्कृतिक विकास एवं अवस्थाएं प्रमुख सांस्कृतिक परिमण्डल, जनसंख्या की वृद्धि एवं वितरण, अन्तराष्ट्रीय प्रवजन, जनांकिकीय संक्रमण तथा सम- सामयिक जनसंख्या समस्यायें।

8. अधिवास भूगोल: अधिवास भूगोल की संकल्पना; ग्रामीण अधिवास-प्रकृति, उत्पत्ति, प्रकार एवं प्रतिरूप; नगरीय अधिवास; उत्पत्ति, प्रतिरूप, प्रक्रियायें एवं परिणाम; केन्द्र स्थल सिद्धान्त, नगरों का वर्गीकरण, नगरों का पदानुक्रम, नगरों की आकारिकी , ग्राम-नगर सम्बन्ध- नगरीय प्रभाव क्षेत्र एवं नगर उपान्त, भावी प्रवृत्तियाँ।

9. आर्थिक भूगोल: आधारभूत संकल्पनायें: संसाधन की संकल्पना, वर्गीकरण, संरक्षण एवं प्रबन्धन; कृषि की प्रकृति एवं प्रकार, कृषि भूमि-उपयोग के अवस्थितिपरक सिद्धान्त, विश्व के कृषि प्रदेश; प्रमुख फसलें; खनिज एवं ऊर्जा संसाधन- स्थानिक उपलब्धता, भण्डार तथा उपयोग एवं उत्पादन प्रतिरूप; विश्व ऊर्जा संकट एवं विकल्प की खोज; उद्योग: औद्योगिक अवस्थिति के सिद्धान्त, प्रमुख औद्योगिक प्रदेश; प्रमुख उद्योग-लोहा तथा इस्पात, कागज, वस्त्र, पेट्रो-रसायन, स्वचालित वाहन तथा पोत निर्माण- उनके अवस्थितिक प्रतिरूप; अंतरराष्ट्रीय व्यापार, व्यापारिक प्रखण्ड, व्यापारिक मार्ग, पत्तन एवं भूमण्डलीय व्यापारिक केन्द्र, वैश्वीकरण एवं विश्व में आर्थिक विकास के सिद्धान्त एवं प्रतिरूप, संवहिनीय विकास की संकल्पना एवं उपागम।

10. राजनीतिक भूगोल: राष्ट्र एवं राज्य की संकल्पना, सीमान्त, सीमायें एवं बफर क्षेत्र, हृदयस्थल एवं रिमलैण्ड सिद्धान्त, संघवाद, विश्व के सम- सामयिक भू-राजनीतिक मुद्दे।

Downloaded from: www.studymarathon.com

प्रश्न पत्र - II (Paper - II)

भारत का भूगोल (Geography of India)

खण्ड - अ (Section - A) भौतिक एवं मानव भूगोल (Physical and Human Geography)

1. प्राकृतिक स्वरूप: भौमिकीय क्रम एवं संरचना, उच्चावच एवं अपवाह, मिट्टी एवं प्राकृतिक वनस्पति, मिट्टी अवक्रमण तथा निर्वनीकरण, भारतीय मानसून की उत्पत्ति एवं प्रक्रिया, जलवायु प्रदेश, भ्वाकृतिक प्रदेश।

2. वन्य जीव, राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, जैव मंडल आरक्षित क्षेत्र, जैव विविधता हाट-स्पाट।

3. वेटलैन्ड, पर्यटन- संसाधन एवं आर्थिकी, प्राकृतिक संकट एवं आपदा तथा प्रबन्धन, पर्यावरणीय मुद्दे।

4. जनसंख्या एवं अधिवास- वितरण एवं वृद्धि, जनसंख्या की संरचानात्मक विशेषतायें, ग्रामीण अधिवास- प्रकार, प्रतिरूप तथा आकारिकी, नगरीय अधिवास- नगरों की पहचान एवं वर्गीकरण, पदानुक्रम एवं प्रभाव क्षेत्र, नगरीकरण, नगरीय नीति, नगर नियोजन, छोटे नगरों की भूमिका, स्मार्ट सिटी तथा स्मार्ट विलेज।

5. राजनीतिक व्यवस्था- ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में एकता एवं विविधता, राज्य पुनर्गठन, प्रादेशिक चेतना एवं राष्ट्रीय समन्वयन, केन्द्र राज्य सम्बन्ध के भौगोलिक आधार, भारत की अन्तर्राष्ट्रीय सीमाएं तथा भू-राजनीतिक समस्यायें, भारत एवं हिन्द महासागर की भू-राजनीति, भारत एवं दक्षेस।

खण्ड- ब (Section - B) आर्थिक एवं प्रादेशिक भूगोल (Economic and Territorial Geography)

6. भारतीय कृषि की विशेषताएं, बंजर भूमि की समस्यायें एवं सुधार, फसल प्रतिरूप एवं गहनता, कृषिगत दक्षता एवं उत्पादकता, हरित क्रान्ति के प्रभाव, कृषि प्रदेश, कृषि- परिस्थितिकी प्रदेश, जोत- आकार प्रतिरूप, भूमि सुधार, सस्य संयोजन प्रदेश, कृषि का आधुनिकीकरण एवं कृषि नियोजन।

7. संसाधन- वितरण प्रतिरूप, संचित भण्डार एवं उत्पादन, खनिजों की परिपूरकता, ऊर्जा संसाधन, कोयला, पेट्रोलियम, जल विद्युत, बहुदेशीय नदी घाटी परियोजनायें, ऊर्जा संकट तथा विकल्प की खोज, समुद्री संसाधन, जैविक संसाधन।

8. उद्योग- औद्योगिक विकास, प्रमुख उद्योग- लोहा एवं इस्पात, वस्त्र, कागज, सीमेन्ट, उर्वरक, चीनी तथा पेट्रो- रसायन, औद्योगिक संश्लिष्ट एवं प्रदेश, औद्योगिक नीति।

9. परिवहन एवं व्यापार - रेलमार्ग एवं सड़क तंत्र, नागरिक उड्डयन एवं जल परिवहन की समस्यायें एवं सम्भवानाएं, अन्तरप्रादेशिक व्यापार, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, प्रमुख बन्दरगाह एवं व्यापार केन्द्र, उदारीकरण।

10. प्रादेशिक विकास एवं नियोजन - प्रादेशिक विकास की समस्यायें एवं क्षेत्रीय विकास रणनीति, बहुस्तरीय नियोजन, नियोजन प्रदेश, महानगरीय, जनजातीय, पर्वतीय, सूखा पीड़ित प्रदेशों हेतु नियोजन तथा जलागम क्षेत्र प्रबन्धन, प्रादेशिक विकास में विषमतायें, पंचवर्षीय योजनाएं तथा संबहनीय विकास हेतु नियोजन।

Downloaded from: www.studymarathon.com